Literacy for a Billion

Movie: Kabuliwala
Year: 1961

Song: Ae Mere Pyaare Watan
Lyricist: Prem Dhawan

ए मेरे प्यारे वतन
ए मेरे बिछड़े चमन
तुझपे दिल कुरबाँ
तू ही मेरी आरज़ू
तू ही मेरी आबरू
तू ही मेरी जाँ
ए मेरे प्यारे वतन
ए मेरे बिछड़े चमन
तुझपे दिल कुरबाँ

तेरे दामन से जो आए
उन हवाओं को सलाम
तेरे दामन से जो आए
उन हवाओं को सलाम
चूम लूँ मैं उस जुबाँ को
जिसपे आए तेरा नाम
सबसे प्यारी सुबह तेरी
सबसे रंगीं तेरी शाम
तुझपे दिल कुरबाँ
तू ही मेरी आरज़ू
तू ही मेरी आबरू
तू ही मेरी जाँ

माँ का दिल बनके कभी
सीने से लग जाता है तू
माँ का दिल बनके कभी
सीने से लग जाता है तू
और कभी नन्ही सी बेटी
बनके याद आता है तू
जितना याद आता है मुझको
उतना तड़पाता है तू
तुझपे दिल कुरबाँ
तू ही मेरी आरज़ू
तू ही मेरी आबरू
तू ही मेरी जाँ

छोड़कर तेरी ज़मीं को
दूर आ पहुँचे हैं हम
छोड़कर तेरी ज़मीं को
दूर आ पहुँचे हैं हम
फिर भी है ये ही तमन्ना
तेरे ज़र्रों की क़सम
हम जहाँ पैदा हुए
उस जगह ही निकले दम
तुझपे दिल कुरबाँ
तू ही मेरी आरज़ू
तू ही मेरी आबरू
तू ही मेरी जाँ
ए मेरे प्यारे वतन
ए मेरे बिछड़े चमन
तुझपे दिल कुरबाँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.